जी डी गोइंका पब्लिक स्कूल श्रीनगर

कक्षा:छठी तृतीय भाषा(6th Third language) विषय:हिंदी प्रकरण: पानी अमृत है(89-95)

पृष्ठ-93 पाठ से... लिखित (उत्तर)

1) पाठ से... लिखित (उत्तर)

क) राजस्थानी और उसकी पत्नी ने पानी की कमी के कारण दम तोड दिया ।

ख) पानी को इसलिए 'अमृत' कहा गया क्योंकि पानी प्रकृति का अनमोल उपहार है। इसके बिना जीवन संभव नही है। यह पृथ्वी पर रहनेवाले हर छोटे-बडे प्राणी की ज़रूरत है।

ग) हमारे दैनिक काम जो पानी की सहायता से होते है,वह है पानी पी कर प्यास बुझाना, दांत साफ करना, नहाना इसके साथ-साथ रसोईघर का हर काम भी पानी की सहायता से होता है जैसे चाय बनाना, सब्ज़ी धोना, खाना पकाना,बरतन साफ करना, कपडे धोना आदि।

घ) नदियों पर बांध बनाने से अनेक लाभ होते है जो इस प्रकार है। नदियों पर बांध बनाकर जल को संग्रह किया जाता है। जिससे सिंचाई के कार्य होते है। इसके अलावा बिजली का उत्पादन किया जाता है तथा जल की कमी को पूरा करने में सहायता मिलती है।

ड.) जल व्यर्थ न हो इसके लिए हमे यह करना चाहिए

1. आपको जितनी आवश्यकता हो उतने ही जल का उपयोग करें ।
2. पानी के नलों को इस्तेमाल करने के बाद बंद रखें ।
3. मंजन करते समय नल को बंद रखें।
4. नहाने के लिए अधिक जल को व्यर्थ न करें ।
5. खाद्य सामग्री तथा कपड़ों को धोते समय नलो का खुला न छोड़े ।

6. जल को कदापि नाली में न बहाएं बल्कि इसे अन्य उपयोगों जैसे -पौधों अथवा बगीचे को सींचने अथवा सफाई इत्यादि में लाए ।
7. तालाबों, नदियों अथवा समुद्र में कूड़ा न फेंके ।

च) खेती बाडी मे पानी का उपयोग

1) पानी से ही धरती नरम और उपजाऊ बनती है।

2) धरती नरम होने के बाद ही किसान उसमे हल चलाकर खेती कर पाता है।

3) पौधों को बड़ा करने के लिए पानी की आवश्यकता होती है।

4) फसलों को सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता होती है

=> यह कार्य आप अपनी उत्तर पुस्तिका(Notebook) पर लिखिए एवं इसको याद करे। इसे प्रिंट करने की ज़रूरत नही है।